IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882
INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

विज्ञान अभिशाप या वरदान

डॉं.मुक्काप्पा राठोड

सहायक अध्यापक

बेंगलूर विश्वविध्यालय

हिन्दी विभाग

बेंगलूर-560056

भूमिका द्द आज के इस युग में विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है । चाहे वो जीवन के किसी भी क्षेत्र में हो जैसे.हम चंद समय में हवा में उड कर एक जगह से दूसरी जगह पहूँच जाते है । अस्पतालो में तरह द्दतरह के उपकरण आ गए हैं । एक से एक गाडियाँ सडकों पर दौड रही है । तरह.तरह के विज्ञापनों के माध्यम से हम जागरूक भी हो रहे है जैसे टीण् वीण् ए रेडियोए अखबार आदि । आज कल सभी के हाथों में मोबाइल आ गए हैं ।

तमाम सुविधाओं के बावजूद भी कहीं. न द्द कहीं हम पिछडते जा रहे हैं । यहाँ तक की जो विज्ञन की खूबसूरती हमें बिजली प्रदान करने वाला यूरेनियम ईंधन के रूप में दे रही है । वही कही द्द न कहीं इसका दूसरा चेहरा भी दिखा रही हैए जैसे. बमएमिसाइलए गोले आदि ।

विज्ञापन बहुत खूबसूरती से आगे बढ रहा है । वह हमें तरह.तरह की सुविधा प्रदान कर रहा हैए साथ ही हमारी रोजमरा की जिंदगी को आरामदेह बना रही है । जहाँ रसोई में महिलाओं को अपने हाथों से जो कार्य करने पडते थेए आज वो चुटकियों में मशीनों कर रही है जैसे. **आटा गूँथने वाली मशीन बनाने वाली मशीनण मसाला पीसने वाली मशीन आदि** इन सभी की वजह से गृहणियों के कार्य में सुविधा होने लगी है तथा साथ में वह अपना समय बचा कर घर में कमाई का एक हिस्सा भी देने लगी है । इस तरह वह आज के जमाने में पुरूषों से कंधे.से.कंधा मिलाकर चलने लगी है ।

;आद्ध रोजगार के साधन दृ

विज्ञान की तरक्की की वजह से कई फैक्ट्रियाँ खुल गई है । जिनसे लोगों को रोजगार मिलने लगा है ।

;बद्ध समय की बचत.

मशीनों के आने से समय की काफी बचत होने लगी है । मोबाइल फोन ने तो मानों आधे से ज्यादा समय बचा लिया है । पल में खबरें यहँ से वहँ पहूँच जाती है ।

;सद्ध मनोरंजन के साधन दृ

रंगीन सिनेमा ने तो मानो लोगों की जिंदगी का हिस्सा ही बना दिया हो । तरह.तरह का फैशनए कपडेए रहन.सहन काफी ऊँचे स्तर का कर दिया है । आज हम भी विदेशों को टक्कर दे रहे हैं व्यापार मेंए प्रतियोगिताओं में आदि ।

आज विज्ञान ने जहाँ एक ओर कई तरक्कियाँ कर ली है वहीं दूसरी ओर उसका गंदा चेहरा भी दिखा दिया है जैसे.कल.पूर्जेए मशीनें ही सारा काम कर लेती है इससे लोगों का मोटापा बढ रहा है । कसरत करने के लिए फिर वो एक और मशीन की खोज में जुट रहे हैं ।

मोबाइल फोन ने तो मानो बच्चों का दिमाग ही खराब कर दिया है । समय की कोई परवाह नही दिन. रात लगे रहते है । जिस के कारण उनके सुनने की क्षमता कम हो रही है साथ.ही मानसिकता का भी शिकार बन रहे हैं ।

सभ्यता का पिछडना. आज यहाँ फैशन ने जिस तरज अपने पैर पसार लिए हैं वह अपनी भारतीय सभ्यता के पतन को एक बुलावा हैंए । लोग अपनो से बडों का सम्मान करना भूल गए हैं ।

मानसिक रोग का बढना. आज के समय में जो भाग रहा है मानसिक रोगियों की संख्या बढ गयी है । हर जगह इतनी प्रतियोगिता है कि वो सोच.सोच कर ही मानसिक रोग का शिकार होता जा रहा है ।

जंगलो का पतन तथा साग. सब्जियों में रसायन की मिलावट.आज के इस विज्ञान की तेजी ने जंगलों को उडने का प्रचलन बना लिया है । क्रंकीट के जंगल तो मानो जीव.जंतुओं को मिटाने का मन ही बना बैठे होएयहीं कारण है कि कई जीव.जंतुओं की प्रजातियाँ लुप्त हो चुकी है और तो और अखबारों में भी जो खबरें आती है हास्यपद ही लगती हैए वो छापते हैं फलाना के घर शेर घुस आयाए वो शेर के रहने के स्थान पर अपना घर बनाए हैं । आज किसानों की भूमि को छीनकर उन पर फैक्ट्रियाँ लगा रहे हैं । यह नहीं जानते इसी तरह गाँव के गाँव और जंगल के जंगल छोटे होते रहे तो वो खाएंगे तो रसायन का मिलावट अनाज और सब्जियाँ ही ।

नवीनीकरण या विज्ञान की तरक्की कोई भी गलत नहींए यह तो हम पर निर्भर करता है कि किसी चीज को कैसे हैं । अगर हम किसी भी उपकरण का सही इस्तेमाल करें तो वो भला अभिशाप कैसे हो सकता है ध् उदाहरण के लिए चाकू का इस्तेमाल साग.सब्जियाँ काटने के लिए बनाया हैए अब इसमें चाकू की क्या गलतीए जब इसको आप गर्दन काटने के लिए प्रयोग करते हैं ।

किसी कवि ने बडा ही खूब कहा हैरू

विज्ञान के इस युग में विज्ञान का क्या दोष हैए

यह तो तुम पर निर्भर करता हैए की तुम्हारा क्या दोश है ।

यह तो तुम पर निर्भर करता हैंए की तुम्हारा क्या दोश है । जी हाँ । अगर हम ही विज्ञान के किसी भी अविष्कार को पूरी सावधानी और होश में करे तो हमारे लिये वरदान ही सिद्द होगी ।

और रही बात सभ्यता और संस्कृति की तो वह और बेहतर बनाई जा सकतीए अपनी सोच अच्छी करकेएन कि छोटे कपडे और अंग्रेजी बोल कर । हमारे बडों को चाहिए कि वे कम बच्चे कर सभी पर उचित ध्यान देकर सही और अच्छा मार्ग दिखा सकते हैं न कि विज्ञान के नए उपकरण जैसे मोबैइलएकम्प्यूटर आदि को कोस कर सकते है ।